Seventeenth Loksabha

n lang=HI dir=RTL>

Title: Need to improve health care system in tribal areas of the country-laid.

श्री मनसुखभाई धनजीभाई वसावा (भरूच): अनेकता में एकता ही भारतीय संस्कृति की पहचान है और इसी के मूल में निश्चित रूप से भारत के विभिन्न प्रदेशों में स्थित जनजातियां हैं जो विभिन्न क्षेत्रों में रहते हुए अपनी संस्कृति के जरिए भारतीय संस्कृति को एक अनोखी पहचान देती है । आज दुनिया में छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा भारत ने हासिल कर लिया है परंतु इसके बावजूद जनजातीय समुदाय के लोग देश के पिछड़े एवं सुदूरवर्ती इलाकों में जीवन-यापन कर रहे हैं और कई समस्याओं को झेल रहे हैं ।

हालांकि सरकार अपने स्तर पर जनजातियों की स्थिति को सुधारने के लिए बेहतर प्रयास कर रही है, लेकिन शासन के कार्यों में और ज्यादा प्रभावी बदलाव की जरूरत है जिससे योजनाओं का लाभ जनजातियों तक पहुंचाया जा सके । देश के आदिवासियों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का हल करना तथा देश के दुर्गम एवं पिछड़े क्षेत्रों में रहने वाली जनजातियों के लिए आधुनिक दवाइयों का प्रबंध कर पाना आज भी एक बड़ी चुनौती है । हम सभी जानते हैं कि स्त्रियाँ सृजन एवं जीवन चक्र के बीच धुरी है । ऐसे में जनजातीय क्षेत्रों की महिलाओं, बच्चों और वृद्धजनों का बदहाल स्वास्थ्य हताशा और कुंठा पैदा करता है । आज भी देश के सुदूर एवं पिछड़े आदिवासी क्षेत्र की स्त्रियाँ, बच्चे और वृद्धजन स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी सुविधाओं से काफी दूर हैं । देश में महामारी के एक लंबे दौर ने जनजातियों की स्वास्थ्य चिंताओं को और बढ़ा दिया है । ऐसे में सरकार से मेरा आग्रह है कि देश के जनजातीय क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर ही कुशल प्रशिक्षित डॉक्टरों द्वारा त्वरित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु ठोस प्रबंध किया जाये जिससे बीमार पड़ने पर उन्हें दूर शहरों में इलाज हेतु न भागना पड़े । इसके साथ ही स्वास्थ्य जनजागरण अभियान भी चलाया जायें तभी देश के आदिवासी लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से राहत मिल सकेगी ।